



Rahul sharma



Boomika

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121056201

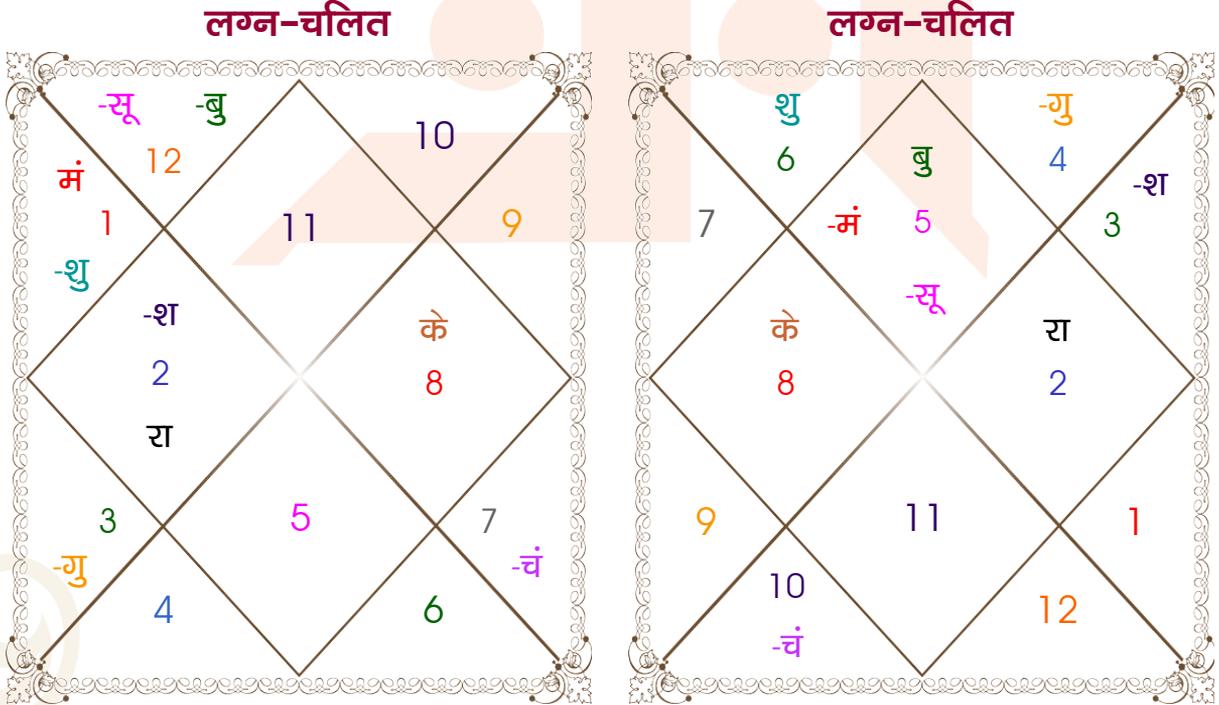
पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
29-30/03/2002 :	जन्म तिथि	: 20/08/2002
शुक्र-शनिवार :	दिन	: मंगलवार
घंटे 05:35:00 :	जन्म समय	: 08:05:00 घंटे
घटी 58:19:05 :	जन्म समय(घटी)	: 05:30:29 घटी
India :	देश	: India
Delhi :	स्थान	: Moga
28:39:00 उत्तर :	अक्षांश	: 30:49:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व :	रेखांश	: 75:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08 :	स्थानिक संस्कार	: -00:29:08 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:15:21 :	सूर्योदय	: 05:58:07
18:37:40 :	सूर्यास्त	: 19:06:26
23:53:01 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:53:23
कुम्भ :	लग्न	: सिंह
शनि :	लग्न लग्नाधिपति	: सूर्य
तुला :	राशि	: मकर
शुक्र :	राशि-स्वामी	: शनि
चित्रा :	नक्षत्र	: उत्तराषाढा
मंगल :	नक्षत्र स्वामी	: सूर्य
3 :	चरण	: 2
व्याघात :	योग	: आयुष्मान
तैतिल :	करण	: कौलव
रा-राकेश :	जन्म नामाक्षर	: भो-भोली
मेष :	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: सिंह
शूद्र :	वर्ण	: वैश्य
मानव :	वश्य	: जलचर
व्याघ्र :	योनि	: नकुल
राक्षस :	गण	: मनुष्य
मध्य :	नाड़ी	: अन्त्य
मृग :	वर्ग	: मूषक

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 2वर्ष 0मा 7दि	29:57:04	कुंभ	लग्न	सिंह	29:23:01	सूर्य 4वर्ष 3मा 14दि
गुरु	15:13:50	मीन	सूर्य	सिंह	03:02:00	राहु
07/04/2022	02:48:58	तुला	चंद्र	मक	00:27:56	04/12/2023
07/04/2038	25:59:37	मेष	मंगल	सिंह	00:03:46	04/12/2041
गुरु 25/05/2024	06:51:15	मीन	बुध	सिंह	27:27:17	राहु 16/08/2026
शनि 06/12/2026	13:01:07	मिथु	गुरु	कर्क	10:07:14	गुरु 09/01/2029
बुध 13/03/2029	03:18:41	मेष	शुक्र	कन्या	18:59:47	शनि 16/11/2031
केतु 17/02/2030	16:22:09	वृष	शनि	मिथु	02:48:50	बुध 04/06/2034
शुक्र 18/10/2032	26:40:54	वृष व	राहु व	वृष	21:26:42	केतु 23/06/2035
सूर्य 06/08/2033	26:40:54	वृश्चि व	केतु व	वृश्चि	21:26:42	शुक्र 23/06/2038
चन्द्र 06/12/2034	03:19:39	कुंभ	हर्ष व	कुंभ	02:57:47	सूर्य 17/05/2039
मंगल 12/11/2035	16:33:58	मक	नेप व	मक	15:12:44	चन्द्र 15/11/2040
राहु 07/04/2038	23:43:15	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	21:01:18	मंगल 04/12/2041

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:53:01 चित्रपक्षीय अयनांश 23:53:23



Samrat jyotish kender

Mukandpur chownk, banga (sbs nagar)

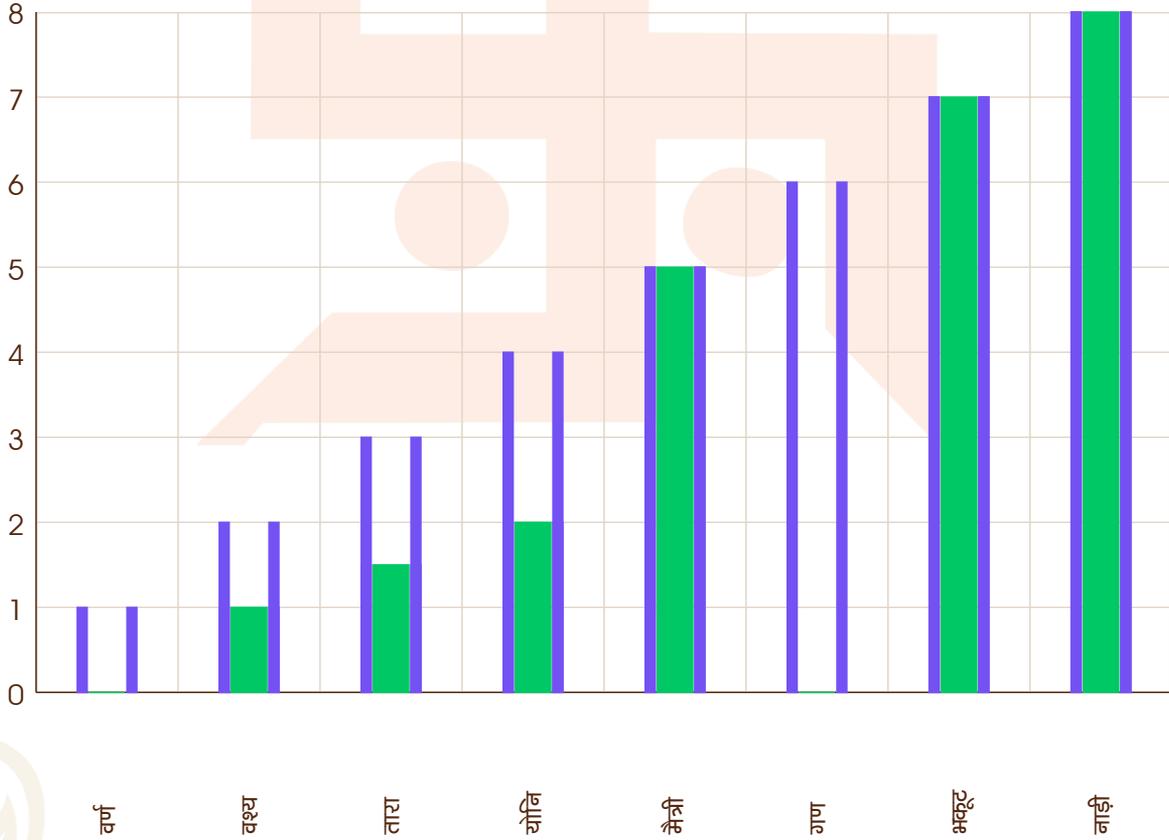
91-9815970841

pardeepbanga513@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	नकुल	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	तुला	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.50		

कुल : 24.5 / 36



Samrat jyotish kender

Mukandpur chownk, banga (sbs nagar)

91-9815970841

pardeepbanga513@gmail.com

अष्टकूट मिलान

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

तेनसोतुं का वर्ग मृग है तथा ठववउपां का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार तेनसोतुं और ठववउपां का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

तेनसोतुं मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

ठववउपां मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुण्डली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुण्डली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल तेनसोतुं की कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

तेनसोतुं तथा ठववउपां में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।

Samrat jyotish kender

Mukandpur chownk, banga(sbs nagar)

91-9815970841

pardeepbanga513@gmail.com

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

तेनसर्ीतउं का वर्ण शूद्र है तथा ठववउपां का वर्ण वैश्य है। क्योंकि ठववउपां का वर्ण तेनसर्ीतउं के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। ठववउपां अति स्वार्थी तथा धन-लोलुप होगी। वह हमेशा दूसरों की कीमत पर सिर्फ अपने स्वार्थ की पूर्ति करती रहेगी। यह ठववउपां अपने पति, बच्चों तथा परिवार के लोगों की न तो चिन्ता करेगी और न ही देखभाल। लड़ाई-झगड़ा करके यह हमेशा घर के लोगों का जीना दूभर कर सकती है।

वश्य

तेनसर्ीतउं का वश्य द्विपद अर्थात् मनुष्य है एवं ठववउपां का वश्य चतुष्पद अर्थात् पशु है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। यद्यपि कि जानवर एवं मनुष्य के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद अलग-अलग होते हैं फिर भी दोनों एक-दूसरे के सान्निध्य में जीवन व्यतीत करते हैं। फलस्वरूप तेनसर्ीतउं एवं ठववउपां दोनों प्रेम एवं सौहार्द के साथ एक-दूसरे के साथ जीवन व्यतीत कर सकेंगे। ठववउपां अपने पति की हर आज्ञा शिरोधार्य करेगी तथा बदले में तेनसर्ीतउं अपनी पत्नी की देखभाल करेगा तथा उसे प्रेम प्रदान करेगा।

तारा

तेनसर्ीतउं की तारा विपत तथा ठववउपां की तारा मित्र है। तेनसर्ीतउं की तारा विपत होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। तेनसर्ीतउं एवं तेनसर्ीतउं के परिवार के लिए यह विवाह कष्टदायक हो सकता है तथा जिसके परिणामस्वरूप कष्ट, हानि एवं विपत्ति की संभावना बनी रहेगी। यद्यपि ठववउपां हमेशा अपने पति एवं परिवार के लिए सहयोगी एवं मददगार बनी रहेगी किंतु अपने पति के दुर्भाग्य का शिकार होकर ठववउपां को भी कष्ट झेलना पड़ सकता है। दुर्भाग्यवश बच्चे भी एवं विपन्नता का शिकार हो सकते हैं।

योनि

तेनसर्ीतउं की योनि व्याघ्र है तथा ठववउपां की योनि नकुल है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात् सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा

भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात् मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात् धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में तेनसोतउं एवं ठववउपां दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि तेनसोतउं एवं ठववउपां के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण तेनसोतउं एवं ठववउपां जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

तेनसोतउं का गण राक्षस है तथा ठववउपां का गण मनुष्य है। अर्थात् ठववउपां का गण तेनसोतउं के गण से श्रेष्ठ है। अतः यह मिलान बहुत बुरा मिलान रहेगा। ज्योतिषीय दृष्टि से यह संबंध अधिक दिनों तक नहीं रहने वाला होगा। दोनों के वैचारिक मतभेद परिवार के सदस्यों के जीवन को अशांत बना सकते हैं। ऐसा विवाह त्याज्य है।

भकूट

तेनसोतउं से ठववउपां की राशि चतुर्थ भाव में स्थित है तथा ठववउपां से तेनसोतउं की राशि दशम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण तेनसोतउं परिश्रमी एवं अपने व्यवसाय में काफी अच्छे होंगे। अपने व्यवसाय में लगन, निष्ठा एवं मेहनत के कारण उन्हें सभी से प्रशंसा प्राप्त होती रहेगी। दूसरी ओर ठववउपां घरेलू होंगी। अपने आतिथ्य भाव एवं सब का ध्यान रखने तथा बड़ों को सम्मान देने की प्रवृत्ति कारण परिवार के सदस्यों की आंखों का तारा होंगी। पति-पत्नी के बीच असीम प्रेम, सहयोग एवं सामंजस्य बना रहेगा।

नाड़ी

तेनसोतउं की नाड़ी मध्य है तथा ठववउपां की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात् दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात् यह मिलान अति

उत्तम मिलान है। यह जीवन के लिए आवश्यक दो महत्वपूर्ण अवयवों का समन्वय है। अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ काया एवं अच्छे यौन जीवन के लिए वात, पित्त एवं कफ का शरीर में संतुलन आवश्यक है। जिसके कारण तीनसोतुं एवं ठववउपां के बीच साहचर्य, सुख एवं समृद्धि की वृद्धि तथा उन्हें अच्छे, स्वस्थ एवं आझाकारी संतान प्रदान होगी।



Samrat jyotish kender

Mukandpur chownk, banga(sbs nagar)

91-9815970841

pardeepbanga513@gmail.com

मेलापक फलित

स्वभाव

तेनसर्ीतउं की जन्म राशि वायुतत्व युक्त तुला तथा ठववउपां की राशि पृथ्वी तत्व युक्त मकर राशि है। अतः इसके प्रभाव से तेनसर्ीतउं एवं ठववउपां का दाम्पत्य जीवन में सामान्यतया मतभेद रहेगा तथा परस्पर प्रेम पूर्वक रहने के लिए यत्नशील रहेंगे। अतः मिलान सामान्यतया अनुकूल ही रहेगा।

तेनसर्ीतउं की राशि का स्वामी शुक्र तथा ठववउपां की जन्म राशि का स्वामी शनि परस्पर मित्र राशियों में पड़ते हैं। अतः सुखी वैवाहिक जीवन के लिए यह स्थिति शुभ रहेगी। इसके प्रभाव से तेनसर्ीतउं और ठववउपां के मध्य सहयोग सदभाव तथा समर्पण का भाव रहेगा तथा सुख दुख में एक दूसरे को पूर्ण सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर रहेंगे। वे एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा करेंगे तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे फलतः परस्पर संबंधों में मधुरता बनी रहेगी।

तेनसर्ीतउं और ठववउपां की राशियां परस्पर चतुर्थ तथा दशम में पड़ती हैं। शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से दाम्पत्य जीवन में सुख शांति रहेगी तथा तेनसर्ीतउं और ठववउपां सुख संसाधनों का उपभोग करने में समर्थ होंगे। वे एक दूसरे की स्वतंत्रता तथा अस्तित्व का पूर्ण सम्मान करेंगे जिससे आपस में समानता एवं सदभाव का व्यवहार रहेगा तथा समय सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

तेनसर्ीतउं का वश्य मानव तथा ठववउपां का वश्य जलचर है। मानव एवं जलचर में स्वाभाविक शत्रुता होने के कारण इनकी अभिरूचियों में असमानता होगी। साथ ही शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी आवश्यकताएं अलग अलग होंगी जिससे काम संबंधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में असमर्थ रहेंगे।

तेनसर्ीतउं का वर्ण शूद्र तथा ठववउपां का वर्ण वैश्य है। अतः तेनसर्ीतउं किसी भी कार्य को ईमानदारी तथा परिश्रम पूर्वक सम्पन्न करेंगे तथा ठववउपां की प्रवृत्ति धनार्जन के प्रति अधिक रहेगी तथा वणिक बुद्धि से अपने कार्यों को सम्पन्न करने में तत्पर रहेंगी।

धन

तेनसर्ीतउं और ठववउपां दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा

आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

तेनसोतउं की नाड़ी मध्य तथा ठववउपां की नाड़ी अन्त्य है अतः अलग अलग नाड़ी होने के कारण इनके स्वास्थ्य पर इसका कोई प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्यतया स्वास्थ्य अनुकूल ही रहेगा परन्तु मंगल के प्रभाव से तेनसोतउं का स्वास्थ्य प्रभावित रहेगा। इससे वह रक्त तथा पित संबंधी परेशानी प्राप्त करेंगे एवं हृदय रोग से भी यदा कदा कष्ट की प्राप्ति होगी। साथ ही दाम्पत्य जीवन में संभोग शक्ति की अल्पता का भी आभास होगा जिससे जीवन में कलह तथा अशांति उत्पन्न होगी। अतः मंगल के दुष्प्रभाव से सुरक्षित रहने के लिए तेनसोतउं को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना करनी चाहिए तथा मंगलवार के व्रत भी करने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से तेनसोतउं और ठववउपां का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त तेनसोतउं और ठववउपां के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में ठववउपां के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन ठववउपां को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में ठववउपां को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुंदर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से तेनसोतउं और ठववउपां सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार तेनसोतउं और ठववउपां का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

ठववउपां के अपने सास से सामान्य संबंध रहेंगे तथा परस्पर सामंजस्य से मधुरता बनी रहेगी यद्यपि इनके मध्य यदा कदा विवाद या मतभेद उत्पन्न होंगे परन्तु उनका बुद्धिमता से समाधान करने में दोनों को सफलता प्राप्त होगी। साथ ही ठववउपां यत्नपूर्वक सास की सुख सुविधाओं का ध्यान रखकर उनकी सेवा में तत्पर रहेंगी।

Samrat jyotish kender

Mukandpur chowk, banga (sbs nagar)

91-9815970841

pardeepbanga513@gmail.com

लेकिन ससुर से पूर्ण स्नेह एवं सहानुभूति अर्जित करने में ठववउपां को कठिनाई का सामना करना पड़ेगा तथा उनकी तरफ से समय समय पर समस्याएं उत्पन्न होंगी। परन्तु नन्द एवं देवों से संबंधों में मधुरता रहेगी तथा उनका व्यवहार मित्रवत रहेगा फलतः उनसे पूर्ण स्नेह एवं सहानुभूति प्राप्त होगी।

इस प्रकार ठववउपां को ससुराल में सामान्य रूप से अनुकूल वातावरण मिलेगा तथा किंचित असुविधाओं का सामना करके वह सामंजस्य स्थापित करने में सफल हो सकेंगी।

ससुराल-श्री

तीनसौतउं की अपनी सास से संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उनके प्रति श्रद्धा सम्मान एवं सहयोग का भाव रहेगा। तीनसौतउं सपत्नीक समय समय पर ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे जिससे आपसी संबंधों में मधुरता की वृद्धि होगी। साथ ही तीनसौतउं का व्यवहार उनके प्रति विनम्रता से युक्त रहेगा।

ससुर के साथ भी तीनसौतउं के संबंधों में मधुरता का भाव रहेगा। साथ ही इन दोनों के मध्य दामाद ससुर की अपेक्षा पिता पुत्र का भाव अधिक रहेगा। तीनसौतउं भी समय समय पर अपने समस्याओं के समाधान के लिए ससुर से सलाह लेते रहेंगे लेकिन साले तथा सालियों से संबंध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान तथा सहयोग की प्राप्ति अल्प मात्रा में ही होगी।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण तीनसौतउं के प्रति अनुकूल रहेगा जिससे उनके आपसी संबंध अनौपचारिक रहेंगे।